विषयवस्तु

खंड I

प्राक्कथन

		पृष्ठ सं.
I.	**मूल विषय**	**1-12**
	भारत में बैंकिंग का विकास	4
	भारत में बैंकिंग की गतिविधि संबंधी मुद्दे	6
	रिपोर्ट की संरचना	10
II.	**हाल की आर्थिक गतिविधियां**	**13-73**
	वास्तविक क्षेत्र	14
	राजकोषीय स्थिति	23
	मौद्रिक और ऋण स्थिति	32
	वित्तीय बाजार	43
	बैंक और वित्तीय संस्थाएं	59
	बाह्य क्षेत्र	62
	समग्र मूल्यांकन	72
III.	**भारत में बैंकिंग का विकास**	**74-141**
	भारत में बैंकिंग का प्रारंभिक चरण - 1947 तक	75
	स्वतंत्र भारत के आरंभिक वर्षों में बैंकिंग - 1947 से 1967	84
	बैंकों पर सामाजिक नियंत्रण - 1967 से 1991	96
	वित्तीय क्षेत्र सुधारों का चरण - 1991-92 तथा उसके बाद	110
	सारांश	136
	अनुबंध III.1 : भारत में बैंक विफलताएं, उनका परिसमापन और समामेलन : 1913 -2007	139
	अनुबंध III.2 : बैंकों की संख्या	141
IV.	**संसाधन संग्रहण का प्रबंधन**	**142-176**
	सैद्धांतिक समर्थन	143
	भारत में बैंकों द्वारा जमा संग्रहण	145
	विभिन्न देशों के अनुभव	166
	उभरते मुद्दे तथा भावी दिशा	172
	सारांश	176
	प्रदर्श IV.I: घरेलू बचतों को प्रभावित करनेवाले कारक	145
V.	**पूंजी और जोखिम प्रबंधन**	**177-233**
	जोखिम और पूँजी	179
	पूंजी पर्याप्तता संबंधी बासेल मानदंड	182
	बासेल II के लाभ, सीमाएं, मुद्दे और चुनौतियां	191
	पूंजी और जोखिम प्रबंधन : भारतीय अनुभव	199
	भावी दिशा	226
	सारांश	230
	अनुबंध V.1: बासेल II का कार्यान्वयन : विभिन्न देशों की स्थिति	232

(जारी...)

खंड II

पृष्ठ सं.

VI. बैंकों के उधार और निवेश कार्य 235-293

बैंकों के उधार कार्य - सैद्धांतिक समर्थन 236

भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के उधार कार्य 239

कृषि को उधार 245

उद्योग को ऋण 259

बुनियादी संरचना को उधार 271

खुदरा ऋण 278

बैंकों के निवेश कार्य 282

भावी दिशा 286

सारांश 291

VII. वित्तीय समावेशन 294-348

वित्त तक पहुँच : संकल्पनात्मक ढाँचा 295

वित्तीय वंचन का स्वरूप, कारण और परिणाम 299

भारत में वित्तीय समावेशन के लिए पहलें 303

भारत में वित्तीय समावेशन/वंचन का मूल्यांकन 318

वित्तीय समावेशन के लिए परिचालन लागत और प्रौद्योगिकी का उन्नयन 338

भावी दिशा 342

सारांश 345

अनुबंध VII.1 : एनएसएसओ सर्वेक्षण में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के व्यय की परिभाषाएँ 348

VIII. प्रतियोगिता और समेकन 349-392

समेकन - सैद्धांतिक समर्थन 350

बैंकिंग उद्योग में विलय और अभिग्रहण में विद्यमान हाल की प्रवृत्तियाँ 352

भारत में समेकन और प्रतियोगिता 353

विलय और अभिग्रहण : भारत में प्रतियोगिता और कार्यकुशलता पर प्रभाव 361

भारत में समेकन और प्रतियोगिता में विद्यमान समस्याएँ 369

भावी दिशा 386

सारांश 390

अनुबंध VIII.1 : भारत में विदेशी बैंकों की उपस्थिति के लिए रूपरेखा 391

अनुबंध VIII.2 : रे माप (रे स्केल) अर्थव्यवस्थाएं 392

(जारी...)

		पृष्ठ सं.
IX.	**बैंकिंग क्षेत्र की कार्य-कुशलता, उत्पादकता और सुदृढ़ता**	**393-446**
	उत्पादकता और कार्य-कुशलता की माप : कुछ संकल्पनात्मक मुद्दे	394
	भारत में बैंकिंग क्षेत्र की उत्पादकता और कार्य-कुशलता का माप - लेखांकन माप	395
	भारत में बैंकिंग क्षेत्र की कार्य-कुशलता और उत्पादकता की माप- आर्थिक माप	421
	भारत में बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता	433
	कार्य-कुशलता और उत्पादकता में सुधार के पीछे निहित कारण	439
	भावी दिशा	441
	सारांश	443
	परिशिष्ट IX.1 कार्य-कुशलता के लेखांकन बनाम आर्थिक माप	445
X.	**बैंकिंग में विनियामक एवं पर्यवेक्षी चुनौतियां**	**447-503**
	बैंकिंग विनियमन का सिद्धांत	448
	विनियामक और पर्यवेक्षी परंपराएं - हाल की घटनाएं	451
	भारत में वर्तमान विनियामक एवं पर्यवेक्षी ढांचा	475
	विनियामक एवं पर्यवेक्षी चुनौतियां	481
	भावी दिशा	494
	सारांश	499
	अनुलग्नक X.1 वित्तीय पर्यवेक्षण बोर्ड द्वारा की गई महत्त्वपूर्ण पहलकदमियां	501
XI.	**समग्र मूल्यांकन**	**504-515**
	भारत में बैंकिंग का विकास	504
	संसाधन संग्रहण प्रबंधन	506
	पूंजी और जोखिम का प्रबंधन	507
	बैंकों के उधार एवं निवेश संबंधी परिचालन	508
	वित्तीय समावेशन	509
	प्रतिस्पर्धा एवं समेकन	511
	भारत में बैंकिंग क्षेत्र की कार्य-कुशलता, उत्पादकता और सुदृढ़ता	512
	बैंकिंग में विनियामक एवं पर्यवेक्षी चुनौतियां	513
	कुछ अंतिम अनुचिंतन	513
	चुने हुए संदर्भ	**I से XI**

बॉक्स मदों की सूची

बॉक्स सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
I.1	बैंकिंग क्षेत्र का रूपांतरण - प्रमुख वाहक	4
III.1	लागू किए गए प्रमुख नियंत्रण : 1967 से 1991	107
III.2	ब्याज दरों का अविनियमन	114
III.3	बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख सुधार - 1991-92 तथा उसके बाद	135
IV.1	भारत में जमा ब्याज दरों का अविनियमन	152
IV.2	अल्प बचत दरों का युक्तियुक्तकरण	158
IV.3	अनिवासी जमाराशियां	160
IV.4	जमाराशि बनाम उधार राशि : कुछ मुद्दे	164
V.1	आर्थिक पूंजी बनाम विनियामक पूंजी	181
V.2	बासेल II मानदंड: मुख्य तत्व	186
V.3	पर्यवेक्षणात्मक समीक्षा प्रक्रिया के सिद्धांत	189
V.4	जोखिमों का निर्धारण	190
V.5	हाल की वित्तीय हलचल का बासेल II पर प्रभाव	193
V.6	भारत में रेटिंग प्रथाओं की स्थिति	203
V.7	ऋण डेरिवेटिव तथा ऋण जोखिम प्रबंधन	204
V.8	भारत में बाजार जोखिमों के लिए पूंजी प्रभार अपनाना	205
V.9	परिचालनात्मक जोखिम तथा कारोबार निरंतरता योजना	206
V.10	नये पूंजी पर्याप्तता ढांचे की ओर अंतरण: समानांतर चलने वाली प्रक्रिया	209
V.11	पूंजी पर्याप्तता प्रयोजनों के लिए बैंकों के पूंजी जुटाने के विकल्पों में वृद्धि	211
V.12	उद्यमव्यापी जोखिम प्रबंधन	212
V.13	बैंकों की जोखिम प्रबंधन रणनीतियों में आइटी अनुप्रयोग	214
V.14	पूंजी अपेक्षाओं के प्रति बैंकों का प्रतिसाद : भारतीय अनुभव	216
V.15	विभिन्न एजेंसियों द्वारा बासेल II के तहत भारतीय बैंकों की पूंजी अपेक्षाओं के अनुमान	221
V.16	भारत में बैंकों के लिए पूंजी अपेक्षाओं का अनुमान - प्रणाली	222
VI.1	बैंकों के उधार कार्य : प्रमुख नीतिगत पहलें	240
VI.2	कृषि को उधार से संबद्ध जोखिमें	246
VI.3	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के लक्ष्य : संशोधित मार्गदर्शी निदेश	247
VI.4	कृषि ऋण में निहित समस्याएँ - विकासशील देशों का परिदृश्य	256
VI.5	कृषि ऋण की प्रथाएँ : विभिन्न देशों के अनुभव	257
VI.6	कृषि ऋण - सफल अनुभवों का अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य	258

(जारी...)

बॉक्स सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
VI.7	लघु और मझौले उद्यमों (एसएमई) को ऋण प्रदान करने में बैंकिंग क्षेत्र द्वारा अनुभव की गई कठिनाइयाँ	265
VI.8	लघु और मझौले उद्यमों (एसएमई) को ऋण की उपलब्धता को सुधारने के लिए पहलें	266
VI.9	लघु और मझौले उद्यमों (एसएमई) को उधार - भारत में बैंकों द्वारा हाल में की गई पहलें - एक संक्षिप्त सर्वेक्षण	267
VI.10	बासेल II और एसएमई क्षेत्र को उधार - बैंकों का व्यवहार	268
VI.11	लघु और मझौले उद्यमों (एसएमई) का वित्तपोषण : उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के अनुभव	269
VI.12	बुनियादी संरचना के लिए बैंक उधार : जोखिमें और अवसर	273
VI.13	बैंकों द्वारा बुनियादी संरचना का वित्तपोषण : विभिन्न देशों के अनुभव	274
VI.14	बैंकों द्वारा बुनियादी संरचना के वित्तपोषण पर रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देश : मुख्य-मुख्य बातें	275
VI.15	खुदरा उधार की जोखिमें	281
VII.1	वित्तीय सेवाओं तक पहुँच को प्रभावित करनेवाले कारक	301
VII.2	भारत में वित्तीय समावेशन - प्रमुख तत्व	304
VII.3	स्वयं-सहायता समूह - बैंक सहबद्धता कार्यक्रम	306
VII.4	वित्तीय समावेशन : वित्तपोषण की नई पद्धति	309
VII.5	वित्तीय समावेशन : महिला सशक्तीकरण	309
VII.6	बंगला देश का ग्रामीण बैंक	310
VII.7	वित्तीय समावेशन का सफल मॉडल : आंध्र प्रदेश का एक वृत्त अध्ययन	312
VII.8	व्यावसायिक संपर्कियों के माध्यम से शाखारहित बैंकिंग	313
VII.9	शहरी वित्तीय समावेशन - धारावी (मुंबई) मॉडल	313
VII.10	आवास और वित्तीय समावेशन	314
VII.11	वित्तीय समावेशन संबंधी समिति की रिपोर्ट	315
VII.12	चयनित देशों में वित्तीय समावेशन की कार्यनीति	316
VII.13	विभिन्न देशों में वित्तीय समावेशन की पहलें	317
VII.14	स्वयं-सहायता समूह (एसएचजी)-बैंक सहबद्धता कार्यक्रम - एक मूल्यांकन	331
VII.15	वित्तीय समावेशन और विकास के संकेतकों के बीच संबंध	337
VII.16	प्रौद्योगिकी और वित्तीय समावेशन	342
VIII.1	समेकन एवं वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक नीति के लिए उसके निहितार्थ	352
VIII.2	बैंकों के विलय और समामेलन संबंधी मार्गदर्शी निदेश	356
VIII.3	बाजार चालित बनाम सरकार द्वारा प्रेरित बैंक समेकन : विभिन्न देशों के अनुभव	359
VIII.4	प्रतियोगिता पर समेकन का प्रभाव : विभिन्न देशों के साक्ष्य	362
VIII.5	संकेंद्रण सूचकांकों के माप	363

(जारी...)

बॉक्स सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
VIII.6	पांजार -रोस सांख्यिकी : भारतीय स्थिति	366
VIII.7	एमएण्डए से कार्यकुशलता के लाभ : चयनित बैंकों का एक वृत्त अध्ययन	368
VIII.8	वाणिज्य बैंकों का निजीकरण : विभिन्न देशों के अनुभव	374
VIII.9	विदेशी बैंकों की शाखाएँ बनाम सहायक संस्थाएँ	378
VIII.10	उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी बैंकों का बढ़ता हुआ महत्व	380
VIII.11	विदेशी बैंकों के प्रवेश की लागत और लाभ	381
VIII.12	विदेशी बैंकों के प्रवेश के लाभ और लागतें : विभिन्न देशों के साक्ष्य	382
IX.I	उत्पादकता और कार्य-कुशलता - सूक्ष्म भेद	394
IX.2	उत्पादकता और कार्य-कुशलता : विविध देशों के अनुभवजन्य साक्ष्य	396
IX.3	अनुपात विश्लेषण का विश्लेषणात्मक ढांचा	397
IX.4	प्रतिफल वक्र और बैंकों के निवल ब्याज मार्जिन	408
IX.5	भारत में निवल ब्याज मार्जिन के निर्धारक	409
IX.6	आंकड़ा पर्यावरण विश्लेषण	422
IX.7	विभिन्न बैंकों की कार्य-कुशलता में अंतर के कारण क्या हैं? एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य	428
IX.8	क्या आकार महत्वपूर्ण होता है ? विभिन्न देशों के अनुभवजन्य साक्ष्य	430
IX.9	भारत में बैंकिंग क्षेत्र की कार्य-कुशलता के निर्धारक तत्त्व	432
IX.10	मामक्विस्ट उत्पादकता सूचकांक	433
IX.11	कार्य-कुशलता का महत्व - एक बैंक का वृत्त अध्ययन	438
IX.12	भारत में कार्य-कुशलता और अनर्जक आस्तियों के संबंध	439
X.1	बैंकिंग पर्यवेक्षण और केंद्रीय बैंक	454
X.2	नॉर्दर्न रॉक चलनिधि संकट	456
X.3	अंतिम ऋणदाता	457
X.4	वित्तीय संगुट - परिभाषा एवं ढांचा	459
X.5	वित्तीय विनियमन के प्रति दृष्टिकोण	462
X.6	बाजार अनुशासन के एक साधन के रूप में गौण ऋण	467
X.7	निक्षेप बीमा प्रणालियों का विकास	470
X.8	निक्षेप बीमा-लाभ और हानियां	472
X.9	निक्षेप बीमा की डिज़ाइन	473
X.10	वित्तीय पर्यवेक्षण बोर्ड और उसकी महत्त्वपूर्ण पहलकदमियां	479
X.11	पर्यवेक्षी कार्य-प्रणालियों का एकीकरण	485
X.12	बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति के इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग समूह की ''इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग हेतु जोखिम प्रबंधन सिद्धांतों'' पर रिपोर्ट	490

चार्ट की सूची

चार्ट सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
II.1	कारक लागत पर वास्तविक जीडीपी की वार्षिक वृद्धि (1999-2000 की कीमतों पर)	14
II.2	सकल देशी बचत - क्षेत्रवार	15
II.3	सकल देशी निवेश - क्षेत्रवार	16
II.4	संचयी वर्षा	17
II.5	व्यापक मुद्रा वृद्धि	36
II.6	खाद्येतर ऋण	36
II.7	उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति	38
II.8	अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्य	39
II.9	केंद्रीय बैंक नीति दर	39
II.10	थोक मूल्य मुद्रास्फीति	40
II.11	मांग दर - घट बढ़	45
II.12	प्रमुख बाजार दरों में घट बढ़	48
II.13	खज़ाना बिलों के प्राथमिक प्रतिफल में घट-बढ़ :	51
II.14	राज्य सरकार के बाजार उधार की भारित औसत ब्याज दर	51
II.15	राज्यों द्वारा अर्थोपाय अग्रिम तथा ओवरड्राफ्ट का उपयोग	52
II.16	राज्य सरकारों द्वारा 14 दिवसीय मध्यवर्ती तथा नीलामी खज़ाना बिलों में निवेश	53
II.17	सरकारी प्रतिभूतियों का कारोबार तथा प्रतिफल (मासिक औसत)	53
II.18	प्रमुख मुद्राओं की तुलना में रुपया घट-बढ़	54
II.19	विदेशी निवेश अंतर्वाह और हस्तक्षेप में मासिक घट-बढ़	55
II.20	वायदा प्रीमियम में घट-बढ़	56
II.21	क्षेत्रवार स्टॉक सूचकांकों की प्रवृत्ति	58
II.22	वैश्विक उत्पादन वृद्धि	62
II.23	विश्व व्यापार वृद्धि - मात्रा एवं मूल्य	64
II.24	अदृश्य मदों के अधिशेष में घट-बढ़	68
II.25	विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवल अंतर्वाह / बहिर्वाह	70
II.26	एनआरआइ की जमाराशियां - बकाया	70
II.27	भारत के बाहरी ऋण की मुद्रा संरचना - मार्च 2008 के अंत की स्थिति	71
IV.1	बैंक जमाराशि वृद्धि दर	148
IV.2	जनसंख्या समूहवार बैंक जमाराशियां	149

(जारी...)

चार्ट सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
IV.3	सकल बैंक जमाराशियां	150
IV.4	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की सकल जमाराशियों में मांग और सावधि जमाराशियों का हिस्सा	151
IV.5	मीयादी जमाराशियां और अल्प बचत	155
IV.6	बैंकों की कुल जमाराशियों में चालू, बचत एवं मीयादी जमाराशियों के हिस्से की प्रवृत्तियां	157
IV.7	जमा प्रमाणपत्र	159
IV.8	घरेलू बचत दरें	162
IV.9	बैंक जमाराशि वृद्धि और प्रति व्यक्ति जीडीपी : 2006	163
V.1	मानकीकृत दृष्टिकोण का उपयोग कर ऋण जोखिम की गणना	187
V.2	भारतीय बैंकों का पूंजी तथा लीवरेज अनुपात	199
V.3	बैंकों का निवल लाभ	218
V.4	आरक्षित निधि तथा अधिशेष	218
V.5	कुल जोखिम भारित आस्तियां	219
V.6	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का सीआरएआर	219
VI.1	खाद्येतर ऋण और बैंक ऋण	241
VI.2	सकल और निवल अनर्जक आस्तियां	242
VI.3	खातों के प्रकार के अनुसार अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का बकाया ऋण (मार्च के अंत में)	243
VI.4	बैंक ऋण में बैंक समूह-वार संवृद्धि दर	243
VI.5	भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का ऋण-जीडीपी अनुपात	243
VI.6	बैंक समूह-वार ऋण-जमा अनुपात	244
VI.7	बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण और अग्रिम : क्षेत्र-वार अंश	245
VI.8	कृषि को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम (खाद्येतर सकल बैंक ऋण के प्रतिशत के रूप में)	248
VI.9	कृषि क्षेत्र को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का बकाया ऋण	249
VI.10	कृषि जीडीपी और कुल जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कृषि को संस्थागत ऋण (संवितरण)	249
VI.11	कृषि को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के बकाया ऋण का बैंक समूह-वार वर्गीकरण	250
VI.12	कृषि को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के बकाया ऋण का वर्गीकरण	250
VI.13	खातों के प्रकार द्वारा कृषि को अप्रत्यक्ष वित्त	250
VI.14	जोत के आकार के अनुसार किसानों को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का प्रत्यक्ष वित्त (संवितरण) : राशि	251

(जारी...)

चार्ट सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
VI.15	जोत के आकार के अनुसार किसानों को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का प्रत्यक्ष वित्त (संवितरण) : खातों की संख्या	251
VI.16	छोटे ऋण : कृषि उधार खातों की संख्या	252
VI.17	छोटे ऋण : बकाया कृषि ऋण	252
VI.18	कृषि उधार खातों में कृषि के छोटे उधार खातों का अंश - मुद्रास्फीति के लिए समायोजित	253
VI.19	उद्योग की ऋण - प्रधानता	260
VI.20	लघु उद्योग क्षेत्र को ऋण में विद्यमान प्रवृत्तियाँ	263
VI.21	लघु उद्योग क्षेत्र की ऋण - प्रधानता	264
VI.22	उद्योग को ऋण में एसएमई को ऋण का अंश : बैंक समूह-वार	264
VI.23	चयनित क्षेत्रों को ऋण पर भारित औसत ब्याज दरें और बीपीएलआर	266
VI.24	वैयक्तिक ऋणों में विद्यमान प्रवृत्तियाँ	278
VI.25	आवास ऋणों में विद्यमान प्रवृत्ति	278
VI.26	कुल बैंक ऋण में वैयक्तिक ऋणों का अंश - बैंक समूह-वार	280
VI.27	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा निवेशों की वृद्धि दर	282
VI.28	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) निवेश	283
VI.29	बैंक ऋण में वृद्धि और अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	283
VI.30	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की प्रमुख आस्तियां	283
VI.31	बैंक समूह-वार निवेश-जमा अनुपात	284
VI.32	अग्रिमों पर प्रतिलाभ और निवेशों पर प्रतिलाभ	284
VII.1	वित्तीय उत्पाद और सेवाएँ तथा संस्थागत संरचना	298
VII.2	पहुँच की समस्याओं के आयाम	300
VII.3	डाक घर बचत योजनाएँ - खातों की संख्या में अंश	334
VII.4	प्रति 100 व्यक्ति बचत खाते - विभिन्न अनुमान	336
VIII.1	भारत में वाणिज्य बैंकों का संकेंद्रण अनुपात	364
VIII.2	संकेंद्रण के एचएचआइ और एंट्रोपी सूचकांक माप	365
VIII.3	संबंधित बैंक समूह की तुलना में चयनित विलयित बैंकों की आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए)	369
IX.1	कुल आस्तियों की तुलना में परिचालन लागत 2006-07	398
IX.2	कुल आस्तियों की तुलना में तुलनपत्रेतर एक्सपोज़र	398
IX.3	चुनिंदा देशों में बैंकों की औसत आस्तियों की तुलना में परिचालन लागत अनुपात की भूमिका	399
IX.4	आय की तुलना में लागत अनुपात - 2006-07	400

(जारी...)

चार्ट सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
IX.5	चुनिंदा देशों में बैंको की आय की तुलना में लागत अनुपात - 2006	400
IX.6	प्रति अर्जक आस्ति श्रम लागत - 2006-07	402
IX.7	चुनिंदा देशों में कुल आस्तियों की तुलना में श्रम लागत का अनुपात - 2006	403
IX.8	प्रति अर्जक आस्ति गैर- श्रम लागत - 2006-07	404
IX.9	चुनिंदा देशों में बैंकों की कुल आस्तियों की तुलना में गैर श्रम लागतों का अनुपात -2006	405
IX.10	मध्यस्थता लागत - 2006-07	407
IX.11	निवल ब्याज मार्जिन - 2006-07	408
IX.12	चुनिंदा देशों में बैंकों के निवल ब्याज मार्जिन - 2006	409
IX.13	कुल आय की तुलना में अन्य परिचालनगत आय - 2006-07	411
IX.14	चुनिंदा देशों में बैंकों की कुल आय की तुलना में अन्य आय का अनुपात - 2006	411
IX.15	प्रति कर्मचारी कारोबार - 2006-07	413
IX.16	विविध बैंक समूहों का प्रति शाखा कारोबार - 2006-07	415
IX.17	विविध बैंक समूहों की आस्तियों पर प्रतिलाभ - 2006-07	416
IX.18	चुनिंदा देशों में बैंकों की आस्तियों पर प्रतिलाभ - 2006	417
IX.19	विविध बैंक समूहों की इक्विटी पर प्रतिलाभ - 2006-07	418
IX.20	चुनिंदा देशों के बैंकों की इक्विटी पर प्रतिलाभ - 2006	419
IX.21	कार्य-कुशलता में बैंक समूहवार प्रवृतियां (1992-2007)	424
IX.22	कार्य -कुशलता और स्वामित्व	425
IX.23	कार्य-कुशलता और आकार	431
IX.24	कार्य-कुशलता और अन्य आय	431
IX.25	कार्य-कुशलता और अनर्जक आस्तियां	432
IX.26	उत्पादकता में बैंक-समूहवार प्रवृत्तियां : 1991-92 - 2006-07	434
IX.27	विविध बैंक समूहों की निवल अनर्जक आस्तियां	437
X.1	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की आस्तियां	482
X.2	भारत में वाणिज्य बैंकों के तुलनपत्रेतर एक्सपोज़र	482

सारणियों की सूची

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.1	भारत की वित्तीय मध्यवर्ती संस्थाएं	5
2.1	वास्तविक सकल देशी उत्पाद वृद्धि दर	14
2.2	सकल देशी उत्पाद की वार्षिक एवं तिमाही वृद्धि दरें	15
2.3	सकल देशी बचत एवं निवेश की दर	16
2.4	संचयी वर्षा	17
2.5	फसलवार लक्ष्य/उपलब्धियां	18
2.6	मौसमवार कृषि उत्पादन	18
2.7	खाद्य भंडार का प्रबंधन	19
2.8	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक - मासिक वृद्धि	20
2.9	विनिर्माण उद्योगों में वृद्धि (2 अंक स्तरीय वर्गीकरण)	21
2.10	क्षेत्रवार वृद्धि एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) वृद्धि में अंशदान	21
2.11	मूलभूत संरचना उद्योगों की वृद्धि दर	22
2.12	सेवा उप क्षेत्रों में तिमाही वृद्धि कार्य-निष्पादन	22
2.13	वर्ष 2008-09 में वास्तविक सकल देशी उत्पाद वृद्धि के लिए एजेंसियों का पूर्वानुमान	23
2.14	केंद्र सरकार के प्रमुख घाटा संकेतक	25
2.15	केंद्र की प्राप्तियां	26
2.16	केंद्र के व्यय का पैटर्न	27
2.17	सकल राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण का पैटर्न	28
2.18	राज्य सरकारों के प्रमुख घाटा संकेतक	29
2.19	राज्य सरकारों की कुल प्राप्तियां	29
2.20	राज्य सरकारों के व्यय का पैटर्न	30
2.21	राज्य सरकारों का सकल राजकोषीय घाटे का वियोजन और वित्तपोषण का पैटर्न	30
2.22	संयुक्त देयताएं और ऋण जीडीपी अनुपात	31
2.23	आरक्षित मुद्रा - घट-बढ़	34
2.24	मौद्रिक संकेतक	35
2.25	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का सर्वेक्षण	36
2.26	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	37
2.27	उद्योग के लिए निधियों के चुनिंदा स्रोत	38

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
2.28	भारत में थोक मूल्य मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष)	41
2.29	उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति - मुख्य समूह	43
2.30	देशी वित्तीय बाज़ार - एक नज़र में	44
2.31	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	52
2.32	भारतीय रुपये की सांकेतिक और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (व्यापार - आधारित भारांक)	54
2.33	रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डॉलर की बिक्री / खरीद	55
2.34	प्राथमिक बाज़ार से संसाधन संग्रहण	56
2.35	म्यूचुअल फंडों द्वारा निवल संसाधन संग्रहण	57
2.36	संस्थागत निवेशकों द्वारा निवल निवेश	58
2.37	शेयर बाजारों की प्रवृत्तियां	58
2.38	राष्ट्रीय शेयर बाजार में नकदी के मुकाबले डेरिवेटिव्स बाज़ार में कारोबार	59
2.39	बैंक समूहों के महत्वपूर्ण प्राचल (पैरामीटर)	60
2.40	शहरी सहकारी बैंक - चुनिंदा वित्तीय संकेतक	60
2.41	वित्तीय संस्थाएं - चुनिंदा निष्पादन संकेतक	61
2.42	एनबीएफसी - डी (आरएनबीसी को छोड़कर) के समेकित तुलनपत्र	61
2.43	अवशिष्ट गैर बैंकिंग कंपनियों (आरएनबीसी) की प्रोफाइल	62
2.44	वृद्धि दरें - वैश्विक परिदृश्य	63
2.45	भारत का पण्य व्यापार	65
2.46	वैश्विक पण्य निर्यात में वृद्धि	65
2.47	प्रमुख पण्य निर्यात	66
2.48	भारतीय निर्यात के प्रमुख गंतव्य देश	66
2.49	भारत के प्रमुख आयात	67
2.50	भारत का चालू खाता	68
2.51	पूंजी प्रवाह (निवल)	69
2.52	श्रेणी के अनुसार विदेशी निवेश अंतर्वाह	69
2.53	विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवल अंतर्वाह/बहिर्वाह	70
2.54	एनआरआइ जमाराशि योजनाओं के अंतर्गत अंतर्वाह	70
2.55	भारत का बाह्य ऋण	71

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
3.1	बैंकों की संख्या, पूंजी और जमाराशियां	76
3.2	भारत में बैंकों की विफलता - 1913 से 1921	78
3.3	सहकारी बैंकों की संख्या	78
3.4	भारत में बैंकों का प्रांतवार वितरण - 1930	79
3.5	विफल बैंकों की पूंजी और आरक्षित निधियां	79
3.6	भारत में वाणिज्य बैंकों की संख्या तथा उनके पास रखी गई जमाराशियां	80
3.7	सूचना देनेवाले बैंकों की संख्या तथा उनके पास रखी गई जमाराशियां	82
3.8	बैंक शाखाओं की संख्या : 1940-1945	83
3.9	बैंकों की विफलता : 1936-1945	84
3.10	भारतीय बैंकों की संख्या और जमाराशियां - दिसंबर 1947 के अंत में	85
3.11	वाणिज्य बैंकों का वितरण - दिसंबर 1947 के अंत में	85
3.12	विफल बैंकों की संख्या : 1947-1955	86
3.13	समामेलित वाणिज्य बैंक : 1954-66	88
3.14	परिसमापनाधीन वाणिज्य बैंक : 1954-66	89
3.15	भारत में अनुसूचित और गैर अनुसूचित वाणिज्य बैंक	89
3.16	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा ऋण का क्षेत्रवार विनियोजन	90
3.17	अनुसूचित वाणिज्य बैंक - जमा संग्रहण	92
3.18	घरेलू क्षेत्र की बचत	93
3.19	वाणिज्य बैंकों का शाखा विस्तार	94
3.20	विभिन्न क्षेत्रों को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के अग्रिम	94
3.21	बैंकों की कुल जमाराशियों और ऋणों में प्रमुख शहरों का हिस्सा : दिसंबर 1969 का अंत	97
3.22	वाणिज्य बैंकों का शाखा नेटवर्क	98
3.23	भारत में बैंक शाखाओं का क्षेत्रवार वितरण	99
3.24	अनुसूचित वाणिज्य बैंक - जमाराशियों की औसत वार्षिक वृद्धि दरें	99
3.25	देशी घरेलू क्षेत्र की बचत राशियां	100
3.26	कृषि के लिए अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के अग्रिम	101
3.27	भारत में ग्रामीण बैंकिंग का विकास - 1969-1990	102
3.28	विभिन्न क्षेत्रों को बैंक ऋण का वितरण - बकाया	102

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
3.29	केन्द्र सरकार के चुनिंदा राजकोषीय संकेतक	105
3.30	नकदी आरक्षित निधि अनुपात में परिवर्तन - 1973-1989	105
3.31	सांविधिक चलनिधि अनुपात में परिवर्तन - 1970-1990	105
3.32	ब्याज दरों की संरचना - वाणिज्य बैंक	106
3.33	वाणिज्य बैंकों की आस्तियों पर प्रतिलाभ	107
3.34	सीआरएआर की स्थिति - मार्च 1998 के अंत की स्थिति	112
3.35	वाणिज्य बैंकों की ब्याज दरों में घटबढ़	115
3.36	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की लाभप्रदता के संकेतक	115
3.37	कृषि के लिए अनुसूचित वाणिज्य बैंक ऋण	119
3.38	विभिन्न सरणियों के माध्यम से एससीबी द्वारा वसूले गए अनर्जक अग्रिम	122
3.39	सकल और निवल अनर्जक आस्तियां	122
3.40	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का सीआरएआर - 2007	123
3.41	भारत के निजी क्षेत्र के बैंकों में अनिवासियों द्वारा धारित बहुसंख्यक इक्विटी	124
3.42	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल आय में ब्याजेतर आय का हिस्सा	124
3.43	शहरी सहकारी बैंकों की वृद्धि	132
3.44	शहरी सहकारी बैंकों का श्रेणीकरण	132
3.45	सरकारी क्षेत्र के बैंकों का कंप्यूटरीकरण	133
3.46	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के एटीएम	133
3.47	काग़ज़ आधारित बनाम इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन	134
4.1	प्राथमिक और द्वितीयक निर्गम	146
4.2	क्षेत्रों द्वारा वित्तीय प्रवाह	147
4.3	वाणिज्य बैंकों के लिए निधि प्रवाह खाते	147
4.4	बैंक जमाराशियों में वृद्धि	148
4.5	भारत में स्थित बैंक कार्यालयों की संख्या	148
4.6	अनुसूचित-वाणिज्य बैंकों के जमा खातों का जनसंख्या समूह-वार वितरण	149
4.7	घरेलू क्षेत्र की वित्तीय आस्तियां एवं देयताएं : वितरण का स्वरूप	150
4.8	अल्प बचत वसूली	153
4.9	बैंक जमाराशियों तथा अन्य अल्प बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की संरचना	153

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
4.10	मीयादी जमाराशियों का ब्याज दर दायरा-वार वितरण	154
4.11	विभिन्न आय कर वर्गों के लिए अल्प बचत लिखतों पर उपलब्ध प्रभावी प्रतिलाभ दर	154
4.12	कुल जमाराशियों में जनसंख्या समूहों का हिस्सा	155
4.13	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल जमाराशियों में हिस्सा : क्षेत्र-वार	156
4.14	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की जमाराशियों का विभिन्न प्रकारों में हिस्सा : क्षेत्र-वार	156
4.15	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मीयादी जमाराशियों का परिपक्वता-वार स्वामित्व स्वरूप	157
4.16	अनिवासी भारतीय (एनआरआइ) जमाराशियां	159
4.17	बैंकों, गैर-बैंकों तथा इक्विटी बाज़ार द्वारा संसाधन संग्रहण (प्रवाह)	161
4.18	सकल देशी बचत दरें	161
4.19	जीडीपी की तुलना में बैंक जमाराशियों का अनुपात (सीपीआइ द्वारा अपस्फीत) : विभिन्न देशों के साक्ष्य	162
4.20	सकल देशी बचत दर : विभिन्न देशों के साक्ष्य	163
4.21	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की देयताएं - प्रमुख घटकों का हिस्सा (आरआरबी को छोड़कर)	165
4.22	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की निधियों की लागत और निधियों पर प्रतिलाभ	165
4.23	यूनाइटेड स्टेट्स में कुल वित्तीय मध्यवर्ती संस्थाओं की आस्तियों का सापेक्ष्य हिस्सा	167
5.1	जोखिमों के प्रकार जिनका सामना बैंकों द्वारा किया जाता है	180
5.2	बासेल II के अनुपालन की समय-सूची और दृष्टिकोण - चुनिंदा देश	198
5.3	सरकारी क्षेत्र के बैंक - पुनःपूंजीकरण	217
5.4	सरकारी क्षेत्र के बैंकों के सार्वजनिक निर्गम	217
5.5	निजी क्षेत्र के बैंकों के सार्वजनिक निर्गम	217
5.6	सरकारी क्षेत्र के बैंकों की स्वामित्व संरचना	218
5.7	अनुसूचित वाणिज्य बैंक - पूंजी निधि तथा जोखिम-भारित आस्तियां	219
5.8	पूंजी पर्याप्तता अनुपात : बैंक समूह-वार	220
5.9	सीआरएआर के अनुसार अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का वितरण	220
5.10	जोखिम-भारित आस्तियां तथा पूंजी अपेक्षाएं - परिदृश्य I के अंतर्गत अनुमान (9 प्रतिशत सीआरएआर)	223

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
5.11	जोखिम-भारित आस्तियों में वृद्धि - पूंजी अपेक्षाएं - परिदृश्य II के अंतर्गत अनुमान (12 प्रतिशत सीआरएआर)	224
5.12	पूंजी का संयोजन - राष्ट्रीयकृत बैंक	225
5.13	सरकारी इक्विटी तथा उपलब्ध गुंजाइश - राष्ट्रीयकृत बैंक	225
5.14	अपेक्षित पूंजी (2007-08 से 2011-12) तथा उपलब्ध गुंजाइश - राष्ट्रीयकृत बैंक	226
6.1	बैंक ऋण की क्षेत्र-वार संवृद्धि दर	241
6.2	बैंकिंग क्षेत्र का ऋण-जीडीपी अनुपात - चयनित देश	244
6.3	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के बकाया ऋण का वितरण (कुल ऋण में अंश)	245
6.4	विभिन्न स्रोतों से किसान परिवारों का उधार	248
6.5	कृषि को छोटे उधार खाते (मार्च के अंत में)	253
6.6	कृषि क्षेत्र को वाणिज्य बैंक ऋण : चयनित देशों का सर्वेक्षण	254
6.7	कृषि क्षेत्र की वाणिज्य बैंक ऋण प्रधानता : चयनित देशों का सर्वेक्षण	254
6.8	भारतीय कंपनियों की निधियों के स्रोतों का स्वरूप	260
6.9	बैंकों द्वारा उद्योग को ऋण का प्रकार	260
6.10	कुल ऋण में उद्योग को ऋण का अंश - घटक-वार	261
6.11	उद्योग को वाणिज्य बैंक उधार : विभिन्न देशों का सर्वेक्षण (कुल बैंक ऋण में अंश)	261
6.12	औद्योगिक क्षेत्र की वाणिज्य बैंक ऋण प्रधानता : चयनित देशों का सर्वेक्षण	262
6.13	उद्योग और लघु उद्योग क्षेत्र को बैंक ऋण	263
6.14	लघु उद्योग क्षेत्र में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की सकल अनर्जक आस्तियां (एनपीए)	263
6.15	कुल ऋण में छोटे और मझौले उद्यमों (एसएमई) को ऋण का अंश (बैंक समूह-वार)	264
6.16	लघु उद्योगों के स्वामित्व की संरचना	266
6.17	वित्तपोषण संबंधी बाधाएँ (बाधा की 'प्रमुख' अथवा 'मामूली' रेटिंग वाली फर्मों का प्रतिशत)	270
6.18	चयनित देशों में फर्मों के वित्तपोषण का स्वरूप	271
6.19	निजी क्षेत्र की बुनियादी संरचना के लिए वित्तपोषण के स्रोत	272
6.20	बुनियादी संरचना क्षेत्र को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा ऋण	275
6.21	बुनियादी संरचना को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा ऋण : क्षेत्र-वार - बकाया	276

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
6.22	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा बुनियादी संरचना क्षेत्र को निवल ऋण की उपलब्धता	276
6.23	बुनियादी संरचना क्षेत्र को विकास वित्त संस्थाओं (डीएफआइ) द्वारा संवितरित ऋण	277
6.24	बुनियादी संरचना क्षेत्र को वाणिज्य बैंक ऋण : चयनित देशों का सर्वेक्षण	277
6.25	आवास ऋणों की वृद्धि	278
6.26	बैंक ऋण की संरचना : विभिन्न देशों के बीच तुलना	280
6.27	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के गैर-सांविधिक चलनिधि अनुपात (नॉन-एसएलआर) निवेश	284
6.28	कुल आस्तियों में निवेश का अंश : चयनित देश	285
7.1	वित्तीय समावेशन/वंचन के परिभाषात्मक पहलू	297
7.2	मूलभूत/'नो फ्रिल्स' खाते - चयनित देशों में प्रमुख विशेषताएँ	307
7.3	भारत का स्वयं-सहायता समूह (एसएचजी)-बैंक सहबद्धता कार्यक्रम और बंगला देश का ग्रामीण बैंक मॉडल : प्रमुख विशेषताएँ	311
7.4	ऋणग्रस्त परिवारों की संख्या	319
7.5	बकाया परिवारों का ऋण	319
7.6	प्रति ऋणग्रस्त परिवार बकाया ऋण	320
7.7	परिवारों की ऋणग्रस्तता - आस्ति धारिता-वार	320
7.8	ऋणग्रस्त परिवारों की संख्या - संस्थागत बनाम गैर-संस्थागत स्रोत	321
7.9	बकाया परिवारों का ऋण - संस्थागत बनाम गैर-संस्थागत स्रोत	322
7.10	संस्थागत और गैर-संस्थागत ऋण एजेंसियों में ऋणग्रस्त परिवारों का वितरण	323
7.11	आय समूहों द्वारा ऋणों के स्रोत - आइआइएमएस सर्वेक्षण	324
7.12	परिवारों द्वारा लिये गये ऋणों का प्रयोजन - एनएसएसओ सर्वेक्षण	324
7.13	अर्जकों द्वारा लिए गए ऋणों का प्रयोजन - आइआइएमएस सर्वेक्षण 2007	325
7.14	कृषि में और बैंक ऋण में वार्षिक औसत संवृद्धि दरें	326
7.15	प्रति बैंक शाखा जनसंख्या	327
7.16	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के पास ऋण खाते	327
7.17	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के पास ऋण खाते - क्षेत्र-वार	328
7.18	ऋण खातों की संख्या और ऋण सीमा के आकार के अनुसार बकाया ऋण - सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक	328

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
7.19	सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के ऋण खातों की संख्या - मुद्रास्फीति समायोजित ऋण सीमा	329
7.20	भारत में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक - ऋण खाते/राशियाँ	329
7.21	प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस)की प्रगति	330
7.22	स्वयं-सहायता समूह (एसएचजी)-बैंक सहबद्धता कार्यक्रम	330
7.23	बैंकों के साथ सहबद्ध स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी) का क्षेत्रीय स्वरूप	330
7.24	भारत में कृषि क्षेत्र को संस्थागत ऋण प्रवाह	331
7.25	संस्थाओं के पास ऋण खातों की संख्या	332
7.26	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के पास बचत खाते	332
7.27	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के बचत खाते	333
7.28	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पास बचत खाते	333
7.29	भारत में खोले गये नो फ्रिल्स खातों की संख्या	334
7.30	बैंक खाता रखनेवाले अर्जक - 2007	334
7.31	संस्थाओं के पास बचत खातों की संख्या	335
7.32	बीमा व्यापन अनुपात - चयनित देश - 2005	335
7.33	एआइडीआइएस और बीएसआर डेटा की तुलना - वाणिज्य बैंकों के प्रति परिवारों की ऋणग्रस्तता	336
7.34	आस्तियों और नो-फ्रिल्स खातों पर प्रतिलाभ - चयनित बैंक	339
7.35	भारत में विभिन्न एजेंसियों से ऋण की लागत	340
7.36	व्यष्टि-वित्त संस्थाओं के प्रभार	340
7.37	विभिन्न प्रौद्योगिकियों के गुण और दोष	341
8.1	विभिन्न देशों के बीच बैंक विलय और अभिग्रहण	353
8.2	वाणिज्य बैंकों की संख्या	354
8.3	भारत में बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद समामेलित बैंक	357
8.4	भारत में निजी क्षेत्र के नये बैंक और सरकारी क्षेत्र के बैंक तथा बैंक विलय	360
8.5	विश्व के शीर्षस्थ 1000 बैंकों में भारतीय बैंकों का स्थान	360
8.6	चयनित देशों के सबसे बड़े बैंकों की तुलना में भारत के सबसे बड़े बैंक का सापेक्ष आकार	361
8.7	विभिन्न देशों में बैंकिंग संकेंद्रण अनुपात की प्रवृत्ति	364
8.8	हेरफिंडाहल-हिर्शमैन सूचकांक	365

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
8.9	अर्थव्यवस्था के आकार की तुलना में बैंकिंग प्रणाली का आकार	371
8.10	सरकारी स्वामित्व वाले बैंकों की आस्तियों की मात्रा और बैंकिंग संकट	377
8.11	विकासशील क्षेत्रों में विदेशी और देशी बैंक कार्यनिष्पादन के संकेतक - 1998-2005 (औसत)	383
8.12	भारत में विदेशी बैंक	384
9.1	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की कुल आस्तियों की तुलना में परिचालन लागत	397
9.2	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों की कुल आस्तियों की तुलना में परिचालन लागत	399
9.3	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की आय की तुलना में लागत अनुपात	400
9.4	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों की आय की तुलना में लागत अनुपात	401
9.5	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की अर्जक आस्तियों की प्रति इकाई श्रम लागत	402
9.6	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों की अर्जक आस्तियों की तुलना में कार्मिक व्ययों का अनुपात	403
9.7	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की अर्जक आस्तियों की प्रति इकाई गैर-श्रम लागतें	404
9.8	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की गैर-श्रम लागत की तुलना में श्रम लागत का अनुपात	405
9.9	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों की कुल अर्जक आस्तियों की तुलना में गैर श्रम लागतों का अनुपात	406
9.10	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की मध्यस्थता लागतें	406
9.11	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की कुल आस्तियों की तुलना में निवल ब्याज मार्जिन का अनुपात	407
9.12	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों के निवल ब्याज मार्जिन	410
9.13	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की कुल आय में अन्य आय का अंश	411
9.14	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों की कुल आय की तुलना में अन्य परिचालनगत आय का अनुपात	412
9.15	भारत में वाणिज्यिक बैंकों का प्रति कर्मचारी कारोबार	413
9.16	भारत में वाणिज्यिक बैंकों का प्रति इकाई श्रम लागत कारोबार	414
9.17	भारत में वाणिज्यिक बैंकों का प्रति शाखा कारोबार	415
9.18	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की प्रति शहरी/महानगरीय शाखा कारोबार	416
9.19	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की आस्तियों पर प्रतिलाभ	416
9.20	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों की आस्तियों पर प्रतिलाभ	417
9.21	भारत में वाणिज्यिक बैंकों की इक्विटी पर प्रतिलाभ	418
9.22	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों के इक्विटी पर प्रतिलाभ	419

(जारी...)

सारणी सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
9.23	भारत में वाणिज्यिक बैंकों के उत्पादकता अनुपात की एक झलक	420
9.24	बैंक समूहवार कार्य-कुशलता के स्तर	423
9.25	कार्य-कुशलता की आवृत्ति का वितरण	424
9.26	बैंकों की कार्य-कुशलता श्रेणी	426
9.27	कुल उपादान उत्पादकता परिवर्तन	434
9.28	भारत में वाणिज्य बैंको का जोखिम भारित आस्ति की तुलना में पूँजी का अनुपात	435
9.29	चुनिंदा देशों में वाणिज्य बैंको की कुल आस्तियों की तुलना में पूंजी का अनुपात	436
9.30	भारत में वाणिज्यिक बैंकों के कुल अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में निवल अनर्जक आस्तियां	437
9.31	चुनिंदा देशों में वाणिज्यिक बैंकों के सकल ऋणों की तुलना में क्षतिग्रस्त ऋणों का अनुपात	438
10.1	सुपर विनियामक ढांचे वाले देश	463
10.2	सिद्धांत आधारित विनियमन के रणनीतिक ध्येय और संकेतक	468
10.3	सुस्पष्ट निक्षेप बीमा प्रणाली के तहत जोखिम आधारित प्रीमियम वाले देश	475